खण्ड-9 संख्या-16

नवम् बिहार विधान-सभा

विधान सभा (वादवृत्त)

भाग-2, कार्यवाही प्रश्नोत्तर-रहित

शुक्रवार, तिथि 15 जुलाई, 1988 ई०

के पास गए। डी.एस.पी. ने बयान लेकर इन सबों को हरनौत थाना भेज दिया। ज्योंही थाना पर श्री मिस्त्री सपरिवार श्री भरत सिंह के साथ पहुंचे त्योंही भद्दी-भद्दी गालियां थाना प्रभारी देने लगे। जब श्री भरत सिंह ने इसका प्रतिरोध किया तो थाना प्रभारी शिवनाथ चौधरी एवं सहायक दारोगा निरंजन प्रसाद ने श्री सिंह को भी गाली दी एवं मारपीट किया।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि अविलम्ब इस थाना प्रभारी को मुअत्तल किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, दो बच्चों को अपहरण करके रखा गया है, थाना केस दर्ज नहीं कर रहा है, पालिटिकल कार्यकर्त्ता भी इसके लिये पहल किया, लेकिन कुछ नहीं हुआ है, सरकार इस पर ध्यान तो दे?

अध्यक्ष : सरकार ध्यान देगी।

(ज) हरिजन के साथ किए गए कथित अत्याचार के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

श्री समसु जोहा : अध्यक्ष महोदय, बलिया (बेगूसराय) के थाना प्रभारी श्री रविन्द्र कुमार शर्मा ने चार पुलिस कर्मियों के साथ 25.6.88 को 3:00 बजे आनन्दी पासवान को घर से पकड़कर इतना मारा कि उसकी मृत्यु थाना में ही हो गई। पुलिस ने घरवाले को डरा कर उसका दाह-संस्कार मुंगोर घाट पर कर दिया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक को इसकी सूचना दे दी है। पदाधिकारियों द्वारा रफा-दफा करने की कोशिश जारी है। थाना प्रभारी को निलम्बित कर सी.आई.डी. से इस मामले की जांच करायी जाय। अध्यक्ष महोदय, हरिजन को मारा गया है, हरिजन के साथ अत्याचार

हुआ है...

(इस अवसर पर पक्ष एवं विपक्ष के कई माननीय सदस्य खड़े होकर बोलने लगे।)

(सदन में शोर-गुल)

श्री रघुनाथ झा : लॉक-अप में मरने की घटना हर दिन सुनने में आती है और सरकार तमाशाबीन बनकर देख रही है, इस तरह की घटनायें रोज सदन में आती हैं...

अध्यक्ष : मा. सदस्य श्री राधा कृष्ण किशोर।

(इस अवसर पर मा. सदस्य श्री समसु जोहा हाथ में कागज दिखलाते हुये रिपोर्टस टेबुल के नजदीक आ गये।)

अध्यक्ष : आप इसको दे दीजियेगा दफ्तर में, मैं ले लूंगा।

(इस अवसर पर कई मा. सदस्य खड़े थे।)

(झ) हरिजनों की बदतर स्थिति :

श्री राधा कृष्ण किशोर : अध्यक्ष महोदय, 8 जुलाई, 1988 को पलामू जिले के पिपरा-महरज़ा ग्रामवासी मन्दोदरी चमइन आर्थिक तंगी व भूख के कारण अपने 9 माह के जुड़वें बच्चों को 10-10 रुपये पर बेचने के लिये मजबूर हो गई। पलामू जिले में हरिजनों की यही स्थिति है, यह सनसनी खेज मामला है। अध्यक्ष महोदय, सम्पूर्ण पलामू जिले की यही स्थिति है, हरिजनों को अपने बच्चों को बेचना पड़ा चूंकि उनके पास खाने को अनाज नहीं था। यह अत्यन्त सनसनी खेज मामला है। सरकार इस पर ध्यान दे।